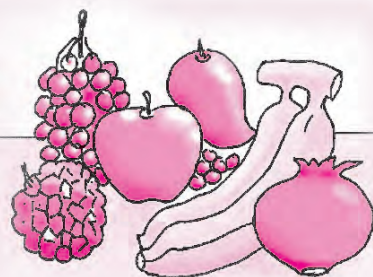


● सुनो और दोहराओ :



६. पेटूराम



“चलिए, भोजन तैयार है ।”
 “आप भोजन कीजिए । मैं.....!”
 “क्या आप भोजन नहीं करेंगे ?”
 “आज मेरा उपवास है ।”
 “उपवास में कुछ तो लेते होंगे ?”
 “हाँ, थोड़ा बहुत खा लेता हूँ ।”
 “फिर संकोच कैसा ? कृपया बताइए ।”
 “अंगूर मिलते हैं ?”
 “हाँ, बहुत मिलते हैं ।”
 “केवल आधा किलो मँगवा लें ।”
 “और ?”
 “आधा दर्जन केले, एक किलो सेब ।”
 “और ?”
 “एक पाव मेवा, सवा पाव मिठाई ।”
 “बस या कुछ और ?”
 “आधा लीटर दूध और रबड़ी बस ।”
 “ठीक और कोई आज्ञा ?”
 “नहीं – नहीं; आज मेरा उपवास है ।
 व्रत के दिन मैं अधिक नहीं खाता ।”



– डॉ. त्रिलोकीनाथ ब्रजवाल



विरामचिह्नों को पहचानो, पढ़ो और समझो :

पूर्णविराम (।), अल्पविराम (,), प्रश्नवाचक (?), विस्मयादिबोधक (!), अर्धविराम (;)

१. अंगूर मिलते हैं ?

२. मैं.....!

३. आधा दर्जन केले, एक किलो सेब ।

४. नहीं – नहीं; आज मेरा उपवास है ।

□ पाठ्यांश को उचित विराम, उच्चारण सहित सुनाएँ । विद्यार्थियों से इसका मुखर वाचन करवाकर नाट्यीकरण करवाएँ । प्रत्येक विद्यार्थी को बोलने के लिए प्रेरित करें । उन्हें सुने हुए चुटकुले सुनाने के लिए कहें । विरामचिह्नों का प्रयोग करवाएँ ।